

कीसिम अस्तान
पौर नाका इवायत
नादरी जो दफ्तर
रजिस्ट्री में हुई।

नम्बर शुमार
इन्द्राज
व किम्मा
दस्तावेज

नकल दस्तावेज

29/85 अस्तान-नादरी
वसीयत नामा Judicial
paper किता 2 पर
लहर है।

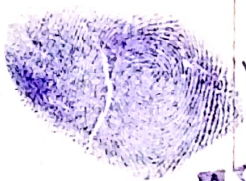
Kumari
एव एविलुडार (अपनी पत्नी)
महामा बुवा

नं 37
वसीयत नामा
ली = 50-00
य = 2-00
52-00

अस्तान
370

मेरी माँ इन्द्राज विधवा परजा पुत्र अदला गांव में
लोहदिबरी तहसील चुराह जिला चम्पा के हैं। जो कि
इन्द्राजका सबका का एक लड़की जो पवीन पेशा पुत्री
की शादी कर दी है। मैं वह अपनी ससुराल में भाग्य
सबका का धारा हाथ का लोग विधवा अलग है। वह
परल का रणत वही का नहीं कर सकता! मैं उमर
करीबन 20 वर्ष की है। बुढ़ापे में कामकाज नहीं है।
29/85 वसीयत वसीयत नामा दया पात के अर्थ पर चुराह गांव बुद्धि लीसा का गांव में
अज मिले 29-8-85 वरुण वरिवार 50 लोहदिबरी में मुमारा का मेरे लड़के तथा लोहदिबरी
वरवस्त 1 वा 1.30 बजे दिन श्री मजूर हो चुकी हुई है। जो कि मेरे लड़के सबकी की सेवा
माले इन्द्राज के संवत् हाजर दफ्तर की हालत में मेरा जानका श्री दौलत सिंह पुत्र का
संव-रजिस्टार चुराह महामा अजराज मेरा सगा जेठ होता था। हमारी घर की सेवा कर
वर्जज रजिस्ट्री पेश की वसीयत उस की सेवा के अर्थ प्रसन्न हो। मैं दौलत सिंह का
दरुसत लहर है। रजिस्ट्री हेतु अपने सिर रखना नहीं चाहती! इस लिए अपनी
स्वी कृत किया गया। उस-नता से बिना किसी अनुचित वत या दवा के
हो 10 मुसी पेश करदा। बिना किसी वदकाव की अपनी इच्छा के सफल हो
दशा में वसीयत करती हूँ।

29/85 वसीयत वसीयत नामा दया पात के अर्थ पर चुराह गांव बुद्धि लीसा का गांव में
अज मिले 29-8-85 वरुण वरिवार 50 लोहदिबरी में मुमारा का मेरे लड़के तथा लोहदिबरी
वरवस्त 1 वा 1.30 बजे दिन श्री मजूर हो चुकी हुई है। जो कि मेरे लड़के सबकी की सेवा
माले इन्द्राज के संवत् हाजर दफ्तर की हालत में मेरा जानका श्री दौलत सिंह पुत्र का
संव-रजिस्टार चुराह महामा अजराज मेरा सगा जेठ होता था। हमारी घर की सेवा कर
वर्जज रजिस्ट्री पेश की वसीयत उस की सेवा के अर्थ प्रसन्न हो। मैं दौलत सिंह का
दरुसत लहर है। रजिस्ट्री हेतु अपने सिर रखना नहीं चाहती! इस लिए अपनी
स्वी कृत किया गया। उस-नता से बिना किसी अनुचित वत या दवा के
हो 10 मुसी पेश करदा।



Kumari
एव एविलुडार (अपनी पत्नी)
महामा बुवा

29/85 मजबूत वसीयत वसीयत नामा
दया दुरुप का दुरुप पर कर पुं इन्द्राज (1) मेरे मरण के बाद मेरी तमाम हकीयत मेरे जेठ लड़के
असीया को पर कर गुनाया का जानका दौलत सिंह उल के हो दी जावे! और किसी
समझाया। जिससे उस ने दरुसत उस घर वारिस का मेरी जायद पर के एक या लहर
तहसील वा तहसील में किया और ना होगा। इस अजराज की दी दौलत की खातिर मेरे
लहर दस्ता के 20 बवाल वसीयत नामा दिया है। तथा मेरे लड़के सबकी
दिया। जो कि मेरे गवाहन भी। अपने दिस्सा का वसीयत नामा अलग से दौलत

(1) जो कुछ मेरी यत्न का अन्त समयता इस वस्त में
है। या अज में जो पैदा करू जा या किसी तौर पर
उस तमाम की में जीते जी दिखर स्वामी रहूंगी।
(2) मेरे मरण के बाद मेरी तमाम हकीयत मेरे जेठ लड़के
जानका दौलत सिंह उल के हो दी जावे! और किसी
उस घर वारिस का मेरी जायद पर के एक या लहर
इस अजराज की दी दौलत की खातिर मेरे
लहर दस्ता के 20 बवाल वसीयत नामा दिया है। तथा मेरे लड़के सबकी
दिया। जो कि मेरे गवाहन भी। अपने दिस्सा का वसीयत नामा अलग से दौलत

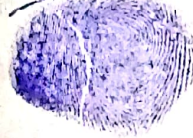
कीमत अस्ताम्प और नम्बर शुमार
नकल इबारत जहरी जो इन्दराज व किशम
दफतर रजिस्टरी में हुई दस्तावेज

नकल दस्तावेज

मौलाना बसोमत नामा. सर्वाधिकार सिद्ध है काम लिख दिया है। मर मरने पर मरी
के का मौली जाल तथा गवाह तमाम समुदाय मार्ग की मुलाकिक रस्मा काम का इलाक
मौलाना की गरीब राम प्रधान की मौलत सिद्ध है मर गया।

प्रमाण पत्रांपत्र थलली ने शताब्दी
जिमां गवाह प्रधान के मेस्यपद
जायला है। अतः दस्ता के
सिद्धी दिया गया।

हो असी



हो गवाह I



2042 विक्रमी वसंत कीर कार मजान मंगल। लेखक शेखन
लाल बौद्ध

हो गवाह II

मौलीलाल

गवाह शताब्दी

शताब्दी सादी
शिव राम प्रधान पंचांगत
थली
अल-शिवराम

मु० ई० उ०

निशान अंगूठ

0.

सिद्धी
सिद्ध प्र बाप
दल गान सैरला
जलोद विधी।
निशान अंगूठ
0.

जय शिवराम (जय श्रीगुरु)
वसंत वृत्त

सादी

की मेली लाल जय जगद्व गज
रवनगुडा के लिख
अल-मेली

मोहर

न० - 505

मिति 29/8/85

अल-शेखन लाल बौद्ध

6: न 134-135

पञ्चकृत दृष्ट

29/8/85

29/85 प्रमाणित किया जाता
है कि मरी लया गवाहन
ने मरने - 2 दस्तावेज का

निशान अंगूठ मेस्यपद जगद्व

जय शिवराम (जय श्रीगुरु)
वसंत वृत्त

37 B. No. 3

पर आज दिनांक 29-8-85.